पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/24-26 प्रकाशित 01.03.2024 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

दानदाताओं से अपील

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के कार्य व गतिविधियों में सहयोग करने हेतु खाता संख्या 10205148690 स्टेट बैंक आफ इण्डिया, घन्टाघर, दिल्ली–110007, आई. एफ. एस.कोड - SBIN0001280 पर सीधे भेज कर हमें फोन न. 9868051444 पर एस.एम.एस कर दें या 9810117464 पर Paytm कर दें। – अनिल आर्य

वर्ष-40 अंक-19 फाल्गुन-2080 दयानन्दाब्द 201 01 मार्च से 15 मार्च 2024 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 01.03.2024, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

स्वामी श्रद्धानंद के 168वें जन्मोत्सव पर 31 कुण्डीय राष्ट्र रक्षा यज्ञ सम्पन्न

गुरूकुलीय शिक्षा प्रणाली को स्वामी श्रद्धानंद ने पुनर्जीवित किया –स्वामी आर्यवेश
श्रद्धानंद का जीवन प्रेरणा दायक है –डा. हर्षवर्धन (सांसद)

दिल्ली, वीरवार 22 फरवरी 2024, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में सुप्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी, गुरुकुल कांगड़ी हरिद्वार के संस्थापक स्वामी श्रद्धानंद के 168वें जन्मोत्सव पर 31 कुण्डीय राष्ट्र रक्षा यज्ञ दर्शनाचार्या विमलेश बंसल के ब्रह्मत्व में गीता भारती स्कूल अशोक विहार में संपन्न हुआ। उन्होंने कहा कि हर्ष का विषय है कि आज हम स्वामी श्रद्धानंद का जन्मोत्सव मना रहे हैं। ऋषि दयानंद से प्रेरणा पाकर स्वामी श्रद्धानंद ने गुरुकुल खुलवाए। एक रचना 'श्रद्धा का पान कराने को,स्वामी श्रद्धानंद जी आए' सुनाकर भावविभोर कर दिया। युवा गायक संजय स्वर्ण सेतिया ने ओजपूर्ण गीतों द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित की,साथ ही गायिका प्रवीन आर्या ने गीत प्रस्तुत किये। मुख्य वक्ता आचार्य अखिलेश्वर जी महाराज ने सुन्दर समारोह में उपस्थित पुण्य आत्माओं को नमन करते हुए तथा 'मधुर वेद वीणा बजाए चला जा' गीत बुलवाकर कहा कि स्वामी श्रद्धानंद जी का जन्म 22 फरवरी 1856 को जालन्धर के तलवन ग्राम में हुआ था।वे महान स्वतंत्रता सेनानी रहे उन्होंने दिल्ली के चांदनी चौक पर रौलट एक्ट के विरुद्ध प्रदर्शन का नेतृत्व किया और अंग्रेजी सिपाहियों को छाती तान के बोला लो खड़ा हूँ गोली चला लो और उनकी निर्भीकता के आगे सिपाहियों की संगीने झुक गयी।उन्होंने आगे कहा कि हमें अपने महापुरुषों के सकारात्मक विचारों को ग्रहण करना चाहिए। सार्वदेशिक आर्य पुरोहित सभा के अध्यक्ष प्रेमपाल शास्त्री ने कहा कि स्वामी श्रद्धानंद 1922 में सिखों के "गुरु का बाग" आंदोलन का नेतृत्व किया और गिरफ्तारी दी।आज के संदर्भ में स्वामी श्रद्धानंद जी का जीवन प्रेरणा देने वाला है वह सब कुछ होम कर सही मायनों में समाज के लिए ही जिये,वह महर्षि दयानंद जी के सच्चे अनुगामी स्वाधीनता, स्वदेशी,स्वराज्य,शिक्षा व वैदिक धर्म प्रचारक के लिए समर्पित रहे। आचार्य गवेंद्र शास्त्री ने कहा कि अद्भुत प्रतीभा के धनी थे स्वामी श्रद्धानंद,वे धर्मवीर, कर्मवीर तथा दानवीर थे। सांसद डा. हर्षवर्धन ने दीप प्रज्वलित कर अपने उद्बोधन में कहा कि स्वामी श्रद्धानंद की 168 वीं जयंती पर राष्ट्र रक्षा यज्ञ किया है बहुत ही महत्वपूर्ण है।स्वामी जी ने शुद्धिकरण का काम करके हिन्दू धर्म में 168 हजार घर वापसी कराए थे,उनका जीवन प्रेरणा दायक है।उन्होंने स्वस्थ रहने हेतु क्या,कब ओर कितना खाना चाहिए पर भी चर्चा की। (शेष पृष्ठ 4 पर)

संगीत संध्याः एक शाम शहीदों के नाम

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में

शहीद भगत सिंह, राजगुरू, सुखदेव के 93 वे बलिदान दिवस पर

"भव्य संगीत संध्या"

शनिवार 23 मार्च 2024 को शाम 5.00 बजे से रात्री 8.00 बजे तक आर्य समाज लाजपत नगर पार्ट 2, नई दिल्ली में आयोजित की जा रही है।

कार्यक्रम के पश्चात् ऋषि लंगर की सुन्दर व्यवस्था रहेगी।

अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने आप सपरिवार सादर आमंत्रित हैं।

राजेश मेहंदीरता, स्वागत अध्यक्ष अनिल आर्य, संयोजक (मो. 9810117464) सुरेन्द्र शास्त्री, स्वागत मंत्री

आर्य समाज उत्तम नगर में भजन संध्या सम्पन्न

रविवार 25 फ़रवरी 2024, पश्चिम दिल्ली की प्रमुख आर्य समाज उतम नगर में आचार्य संजीव रूप जी बदायूं की मनोहर भजन संध्या का आयोजन किया गया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। आचार्य चन्द्र शेखर शास्त्री, पूर्व पार्षद यशपाल आर्य, गंगा शरण आर्य, निशा शर्मा, भोपाल सिंह आर्य, डालेश त्यागी, माया राम शास्त्री, नीलम आर्य, चांद सिंह योगी, राजकुमार भाटिया, जिले सिंह आर्य आदि उपस्थित थे। कुशल संचालन मंत्री अमर सिंह आर्य ने किया।

आर्य समाज अमर कॉलोनी व सफदरजंग एनकलेव का उत्सव सम्पन्न

रविवार 25 फरवरी 2024, दक्षिण दिल्ली की आर्य समाज अमर कॉलोनी लाजपत नगर का वार्षिकोत्सव संपन्न हुआ। चित्र मे प्रधान जितेंद्र डावर का अभिनंदन करते अनिल आर्य, विनय आर्य, ओम प्रकाश छाबड़ा, ओम प्रकाश यजुर्वेदी, नरेन्द्र नारंग, राजेश मेंहदीरता, रवीन्द्र आर्य आदि। प्रमुख रूप से राजेश मेहन्दीरता, रमेश गाड़ी, वेद खट्टर, हरिचंद जी, सुनीता रसोत्रा, पूजा सलूजा, अर्चना पुष्करना,आदि उपस्थित थे। द्वितीय चित्र आर्य समाज सफदरजंग एनक्लेव में आचार्य अखिलेशवर जी की गीता कथा संपन्न हुई। मंत्री स्वदेश शर्मा का अभिनंदन करते अनिल आर्य व आर्य रवि देव गुप्ता।

आर्य समाज अशोक विहार का उत्सव सम्पन्न

रविवार 25 फरवरी 2024, आर्य समाज अशोक विहार फेज 2,दिल्ली का वार्षिकोत्सव संपन्न हुआ। ध्वजारोहण राकेश खुल्लर ने किया, उनका अभिनंदन करते अनिल आर्य, सत्य पाल गांधी, राकेश बेदी, ऐ सी पी अक्षय रस्तोगी, प्रेम सचदेवा, रमेश बेदी आदि। द्वितीय चित्र परिषद् के 31 कुण्डीय यज्ञ का भव्य दृश्य।

शिक्षक केशव आर्य को बधाई व इंदिरा गांधी कला केंद्र

परिषद के शिक्षक केशव आर्य के विवाह समारोह में राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य आशीर्वाद देने पहुंचे। द्वितीय चित्र नई दिल्ली के इंदिरा गांधी कला केंद्र जनपथ में महर्षि दयानन्द पर आयोजित गोष्ठी में गुरुकुल गौतम नगर के छात्रों के साथ अनिल आर्य।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा कोरोना काल से 621वां वेबिनार सम्पन्न

"गायत्री कैसे वरदात्री" विषय पर गोष्ठी सम्पन्न

गायत्री से बल, बुद्धि विजय प्राप्त होती है –आचार्या विमलेश बंसल दर्शनाचार्या

सोमवार 26 फरवरी 2024,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में "गायत्री कैसे वरदात्री" विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया।यह कोरोना काल से 621वां वेबिनार था। आचार्या विमलेश बंसल दर्शनाचार्या ने कहा कि वस्तुतः गायत्री मंत्र उस परम साध्य को पाने का एक सबल और सशक्त ऐसा मंत्र साधन है जिससे साधक शब्द अर्थ भाव बना जप करता हुआ ध्यान में सफलता प्राप्त कर परमेश्वर तक पहुंच सकता है। शुद्ध ज्ञान, कर्म का संदेश देता हुआ मंत्र स्तुति प्रार्थना तथा उपासना की त्रयी विद्या से जीवन को सुरक्षा तो प्रदान करता ही है।निर्भयता और स्वच्छता से भी भर देता है ऐसा सुखकर दान ही तो उसका वर है जिसका परमेश्वर दाता है,जिसकी पुष्टि अथर्ववेद के मंत्र स्तुता मया वरदा वेदमाता ने की है जहां इस लोक का तो सुख मिलेगा ही परलोक और ब्रह्मलोक भी मिलेगा। किन्तु साध्य को वरण करने में लक्ष्य में उसका चुनाव निश्चित हो तभी मंत्र फलीभूत हो मिलन में सहायक होगा,इसके लिए यम नियम से व्यवहार की सत्यता शुचिता पवित्रता प्रथम आवश्यक है। आओ हम सब गायत्री मंत्र का जप करते हुए अनेकानेक ज्ञान विज्ञान आयु प्राण प्रजा पशु यश कीर्ति ब्रह्मतेज बल शक्ति भक्ति सुख शांति आनंद इत्यादि वरों को प्राप्त कर मानव तन सार्थक करें।गायत्री मंत्र के जाप से बल बुद्धि की वृद्धि होती है। मुख्य अतिथि रजनी गर्ग ने भी गायत्री मंत्र की महानता का संदेश दिया।परिषद अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन किया व राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया। गायिका सुनीता अरोड़ा, जनक अरोड़ा, संतोष बजाज, कुसुम भंडारी, कमला हंस, उषा सूद आदि ने मधुर भजन सुनाए।

"उपचार से बेहतर बचाव" विषय पर गोष्ठी सम्पन्न

शरीर रूपी मंदिर की सुरक्षा पूजा के समान है –योगाचार्य तुलसी दास भाटिया

शुक्रवार 23 फरवरी 2024, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में "उपचार से बेहतर बचाव" विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कोरोना काल से 619 वां वेबिनार था। योगाचार्य तुलसी दास भाटिया (जयपुर) ने हैल्थ केयर वा सिक केयर में अंतर समझाया और बताया कि यदि हम अनुशासित दिनचर्या के साथ स्वाद का संयम रखते हुए "बचाव" को अपना लें तो हमे कभी "उपचार" की आवश्यकता नहीं पड़ेगी,इसके लिए हमें "स्वास्थ्य प्रथम" है,इस बात को दिल वा दिमाग में बैठाना होगा।तुलसी दास भाटिया ने आगे बताया कि जिस शरीर को सुख देने के लिए हम दुनिया भर की सुविधाएं जुटाते हैं वो शरीर ही रोग ग्रस्त है तो सब किस काम का।शरीर एक मंदिर है और उसकी सुरक्षा पूजा के समान है। उन्होंने बताया कि नेचर मेड डाइट और मैन मेड डाइट में संतुलन रखते हुए थोड़ा योग वा एक्सरसाइज को अपना कर हम हमेशा स्वस्थ रह सकते हैं। मुख्य अतिथि योगाचार्य डॉ. राम अवतार ने स्वस्थ रहने के घरेलु उपाय बताए।राष्ट्रीय मंत्री देवेन्द्र भगत ने अध्यक्षता करते हुए स्वास्थ्य प्रथम का महत्व बताया। परिषद अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन किया व राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया। गायिका पिंकी आर्य, प्रवीना ठक्कर, रविन्द्र गुप्ता, सुनीता अरोड़ा, कमला हंस, संतोष धर, उषा सूद, रजनी गर्ग, कृष्णा पाहूजा, कुसुम भंडारी आदि के मधुर भजन हुए।

"पारम्परिक आहार सुख का आधार" पर गोष्ठी सम्पन्न

परम्परागत आहार स्वास्थ्य के लिये वरदान है –प्रो. करुणा चांदना

सोमवार 19 फरवरी 2024,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में "परम्परागत आहार सुख का आधार" विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कोरोना काल से 618 वाँ वेबिनार था। मुख्य वक्ता प्रो. करुणा चांदना ने कहा कि भारत भोजन के मामले में अनंत विविधताओं का खजाना है हर क्षेत्र की अपनी सुगंध,स्वाद, मसाले और परंपरा से जुड़े व्यंजन पीढ़ियों से चले आ रहे हैं।यह पारंपरिक आहार सिर्फ आहार नहीं बल्कि संजीव सांस्कृतिक विरासत,त्योहार धार्मिक संस्कारों का हिस्सा है।पारंपरिक भोजन एक ऐसा पाक खजाना है जो एक जेनरेशन से दूसरी जेनरेशन तक पास किया जाता है यह स्वाद से भरपूर,अद्भुत सामग्री के साथ विशेष खुशबू लिए हुए संस्कृति तथा ऐतिहासिक यात्रा का आईना है।यह शरीर को केवल पोषण नहीं देता बल्कि आत्मा को भी पोषण देता है यह सरल प्राकृतिक सोच समझकर तैयार किए जाने वाला आहार है।भारत के विभिन्न क्षेत्रों के विभिन्न व्यंजन लोकप्रिय हैं क्योंकि हर क्षेत्र का क्लाइमेट, मिट्टी,कल्चर,अलग होता है उसे हिसाब से उनकी पौष्टिकता होती है यहां तक कि उनमें उसी हिसाब से ही औषधीय गुण पाए जाते हैं। वास्तव में हमारा शरीर मौसम के अनुसार तथा स्थानीय उपलब्ध खाद्य पदार्थों को पचाने में आत्मसात करने के लिए बना है ऐसा नहीं कि आप किसी भी भोजन को खाना शुरू कर दें वह उस समय तो आपको कुछ स्वाद जरूर दे देगा लेकिन बाद में वह किसी परेशानियों को निमंत्रण दे सकता है।अंत में हम कह सकते हैं की भोजन संस्कृति का तथा पाक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है समय आ गया है जब हमें संस्कृति के माध्यम से इस पारंपरिक आहार को सुरक्षित करके विकृत होने से बचा लें क्योंकि यह हमारी सेहत संस्कृति और समृद्धि को भी बढ़ाने में बहुत योगदान देता है अतः इसे बचाए रखना समर्थन करना हम सब की जिम्मेवारी है क्योंकि यही आहार है जो हमें अपनी जड़ों से जुड़े रहने अपने पूर्वजों को याद करने का माध्यम है।आइए इन पारंपरिक व्यंजनों को सहेजे तथा अपने बच्चों को भी इसका स्वाद चखने का अवसर दें यही हमारी संस्कृति और विरासत को जीवंत रखेगा तथा हमारे सुख का आधार बनेगा। मुख्य अतिथि आर्य नेत्री कृष्णा पाहुजा व अध्यक्ष डॉ. कल्पना रस्तोगी ने भी घर के भोजन की महत्ता पर चर्चा की। परिषद अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन किया।राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया। गायिका प्रवीना ठक्कर, रविन्द्र गुप्ता, कौशल्या अरोड़ा, जनक अरोड़ा, कमला हंस, सुनीता अरोड़ा आदि के मधुर भजन हुए।

ब्रह्मपुरी में दयानन्द जयंती सम्पन्न

रविवार 25 फरवरी 2024, महर्षि दयानन्द सरस्वती के 200 वें जन्मोत्सव पर स्वामी कृष्णानन्द बालाश्रय चेरिटेबल ट्रस्ट वेद मन्दिर आर्य समाज ब्रह्मपुरी, दिल्ली के तत्वावधान में 200 कुण्डों पर सामुहिक गायत्री यज्ञ केन्द्रिय आर्ययुवक परिषद के महासचिव श्री महेन्द्र भाई जी के ब्रह्मत्व में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर आर्य जगत के विद्वान सन्यासी स्वामी शिवानन्द सरस्वती , स्वामी विश्वानन्द जी, राष्ट्र निर्माण पार्टी के संस्थापक श्री ठाकुर विक्रम सिंह, श्री जितेन्द्र भाटिया, आचार्य सोमपाल, श्री दयानन्द शास्त्री, शिक्षाविद् श्री प्रवीण बंसल, श्री नितिन आर्य, श्याम सिंह आर्य ,टुकीराम भारद्वाज रविन्द्र आर्य आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। दिव्यांशी आर्या का ओजस्वी भाषण व गुरूकुल के बालकों का शानदार व्यायाम प्रदर्शन हुआ। कार्यक्रम का कुशल संचालन आचार्य श्री सुन्दर शास्त्री जी ने किया।

यशोवीर आर्य व आचार्य अखिलेशवर जी का अभिनन्दन

वीरवार 22 फरवरी 2024, 168 वे स्वामी श्रद्धानंद जन्मोत्सव पर समारोह अध्यक्ष यशोवीर आर्य का अभिनंदन करते अनिल आर्य, महेन्द्र भाई, धर्मपाल आर्य, ओम सपरा, रामकुमार आर्य। द्वितीय चित्र में आचार्य अखिलेशवर जी का अभिनंदन करते किरण सेठी, प्रतिभा सपरा, मीना आर्य, कुसुम भंडारी आदि।

(पृष्ठ 1 का शेष)

मुख्य अतिथि स्वामी आर्यवेश (प्रधान सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा) ने कहा कि स्वामी श्रद्धानंद का बलिदान दिवस पूरे देश में मनाया जाता है,लेकिन जन्म दिवस की पहल परिषद ने की है,इसके लिए अधिकारी साधुवाद के पात्र हैं। स्वामी जी ने घर वापिसी का अभियान चलाया,जो लोग किन्हीं कारणों से हिन्दू धर्म छोड़ गये थे उनके लिए वापिस हिन्दू धर्म में आने के लिए "शुद्धि आंदोलन" की शुरुआत की थी तथा उन्होंने अपना सर्वस्व त्यागकर गुरुकुल शिक्षा प्रणाली पर लगा दिया।उनकी शिक्षा प्रणाली देशभक्त और चरित्रवान बनाने की थी।उन्होंने लुप्त होती पुरातत्व गुरुकुल शिक्षा प्रणाली को पुनर्जीवित किया और गुरुकुल कांगड़ी की इसके लिए स्थापना की।स्वामी जी ने ही जालंधर में महिला कॉलेज की स्थापना की।उन्होंने आर्य जनों से स्वामी श्रद्धानंद को भारत रत्न से सम्मानित करने के लिए सरकार से मांग करने के लिए प्रयत्नशील रहने को कहा। समारोह में आर्य युवकों का व्यायाम प्रदर्शन आकर्षण का केन्द्र रहे। मंच का कुशल संचालन करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा भारतीय इतिहास में पहली बार दिल्ली की जामा मस्जिद के मिम्बर पर गैर मुस्लिम स्वामी श्रद्धानंद ने वेद मंत्रों के साथ हिन्दू मुस्लिम एकता का संदेश दिया यह सामाजिक समरसता का अनमोल उदाहरण है।दलितों के उत्थान के लिए भी अनेकों विद्यालय खोले और मुख्य धारा से जोड़ने का काम किया।उन्होंने श्रद्धानंद जन्मोत्सव पर केन्द्र सरकार से मांग की कि नया बाजार स्थित स्वामी श्रद्धानंद बलिदान भवन को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करो अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में यशोवीर आर्य ने युवाओं से उनके गुणों को आत्मसात करने का आह्वान किया। सर्वश्री योगेश वर्मा पार्षद, ओम सपड़ा, अमर नाथ बत्रा, नरेंद्र आर्य सुमन, राजरानी अग्रवाल, देवेन्द्र गोयल, पूनम भारद्वाज ने भी अपने विचारों से स्वामी जी को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। महामंत्री महेन्द्र भाई ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से सर्वश्री प्रवीण आर्य, कुसुम भंडारी, देवेन्द्र भगत, रामकुमार आर्य, धर्मपाल आर्य, प्रकाशवीर शास्त्री, योगेन्द्र शास्त्री, रोहित कुमार सिंह आदि उपस्थित थे।

प्रकाशनादि का विवरण फार्म-4

1. प्रकाशन स्थान	:	आर्यसमाज, टी-176-177, कबीर बस्ती, पुरानी सब्ज़ी मण्डी, दिल्ली-7
2. प्रकाशन अवधि	:	पाक्षिक
3. मुद्रक व प्रकाशक का नाम	:	अनिल कुमार आर्य
क्या भारत का नागरिक है?	:	हाँ
पता	:	आर्यसमाज, टी-176-177, कबीर बस्ती, पुरानी सब्ज़ी मण्डी, दिल्ली-7
4. सम्पादक का नाम	:	अनिल कुमार आर्य
क्या भारत का नागरिक है?	:	हाँ
पता	:	आर्यसमाज, टी-176-177, कबीर बस्ती, पुरानी सब्ज़ी मण्डी, दिल्ली-7
5. उन व्यक्तियों के नाम, पते जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत के हिस्सेदार हों।	:	केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजी.), दिल्ली

मैं अनिल कुमार आर्य एतद् द्वारा घोषित करता हूं कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिये विवरण सत्य हैं।

दिनांक 01-3-2024 **अनिल कुमार आर्य,** प्रकाशक

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिंटर्स**, 2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548503 **मो.** : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970